राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय) का वर्ष 2015-2020 के लिए मूल्यांकन

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान जिसे पूसा संस्थान के नाम से भी जाना जाता है , भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक उच्च शिक्षण संस्थान है । इस संस्थान को बने हुए सौ वर्ष से भी अधिक हो चुके हैं। इसकी स्थापना से अब तक संस्थान एक उच्च शिक्षण संस्थान के रूप मे काम करता रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने संतुलित ढंग से शिक्षा क्षेत्र के लिए अनुकूल निविष्टियों, प्रक्रिया, उत्पादन, परिणाम एवं एकीकृत दृष्टिकोण को अपनाया है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कार्यप्रणाली एवं मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एन॰ ए॰ए॰सी॰) की पीयर टीम 8-11 अगस्त 2016 तक संस्थान का निरीक्षण करेगी। इस पीयर टीम का नेतृत्व मद्रास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस॰पी॰ त्यागराजन करेंगे। इसके अतिरिक्त इस टीम मे अन्य सदस्य प्रोफेसर सरबजीत सिंह चहल (पूर्व कुलपति- महारणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय - राजस्थान), प्रोफेसर ध्यान पाल सिंह (पूर्व कुलपति- जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय -जबलपुर), डॉ॰ साकेत कुशवाहा (कुलपति- ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय- बिहार), प्रोफेसर शमीम जयराजपुरी (पूर्व कुलपति- मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, प्रोफेसर - जन्तु विज्ञान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय), प्रोफेसर एस॰के॰ पाटिल (कुलपति-इन्दिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय- छत्तीसगढ़), प्रोफेसर नकुल मण्डल (प्रोफेसर-पादप संरक्षण विभाग-विश्व भारती - शांति निकेतन), प्रोफेसर राजेश सिंह(आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग-बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय - वाराणसी), प्रोफेसर एम॰ प्रेमजीत सिंह(कुलपति- सेंट्रल कृषि विश्वविद्यालय - इम्फ़ाल), डॉ॰ एन॰सी॰ पटेल (कुलपति- आनंद कृषि विश्वविद्यालय - गुजरात), डॉ॰ आर॰ के॰ गुंबर (शोध निदेशक,पंजाब कृषि विश्वविद्यालय- लुधियाना) एवं डॉ॰ बी॰एस॰ श्रीरामू (प्रोफेसर-बागवानी विभाग-गांधी कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विश्वविद्यालय- बंगलुरु)। संस्थान की ओर से डॉ॰ रविन्द्र कौर (निदेशक- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान), डॉ॰ आर॰ के॰जैन (डीन, संयुक्त निदेशक-शिक्षा), डॉ॰ के॰ वी॰ प्रभु (संयुक्त निदेशक-शोध), डॉ॰ जे॰पी॰ शर्मा (संयुक्त निदेशक-प्रसार) एवं श्रीमति शशि प्रभा राज़दान(संयुक्त निदेशक-प्रशासन एवं रजिस्ट्रार) मूल्यांकन मे सहयोग देंगे।

संस्थान का मूल्यांकन पीयर समिति द्वारा 50 प्रमुख मूल्यांकन संकेत के अनुरूप किया जाएगा। जैसे कि- पिछले तीन वर्षों मे कितने प्रतिशत कोर्स के पाठ्यक्रम मे बदलाव हुआ?, विभिन्न पाठ्यक्रमो की लौकिक योजना किस प्रकार की है?, कितने प्रतिशत शिक्षक पी॰एच॰डी॰ उपाधि धारक हैं?, छात्र एवं कम्प्युटर अनुपात, छात्र- शिक्षक अनुपात, क्या संस्थान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रमाणित है?, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छात्रों एवं शिक्षकों की उत्कृष्ट उपलब्धियां क्या हैं?

इन सभी सूचकों के अतिरिक्त अन्य वांछित सूचकों के आधार पर भी संस्थान का मूल्यांकन किया जाएगा जैसे कि खेल के क्षेत्र मे छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, पाठ्यक्रम मे संशोधन के लिए छात्रो, पूर्व छात्रों एवं माता-पिता कि प्रतिक्रिया का समायोजन, कितने प्रतिशत शिक्षकों एवं छात्रों को अंतर राष्ट्रीय फेलौशिप मिली?, छात्रों का औसत सफलता प्रतिशत, शिक्षा का औसत खर्च आदि।

ज्ञात रहे कि पिछले (2009-2014) वर्ष के मूल्यांकन के समय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को सर्व श्रेष्ठ कृषि विश्व विद्यालय का पद (AAAA+) मिला एवं ब्रिक्स देशों के सौ बेहतरीन विश्व विद्यालयों मे संस्थान ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान मे 24 विषयों मे शिक्षण एवं शोध कार्य किया जाता है जो 6 स्कूल के अंतर्गत आते हैं। इनमे आनुवंशिकी संभाग, सब्जी विज्ञान संभाग, फल एवं औदयनिक प्रौद्योगिकी संभाग, कटाई उपरांत प्रोद्योगिकी संभाग, संरक्षित कृषि प्रोद्योगिकी केंद्र, कीट विज्ञान संभाग, सस्य विज्ञान संभाग, कृषि भौतिकी संभाग, पर्यावरण विज्ञान संभाग, सूक्ष्म जीव विज्ञान संभाग, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान संभाग, अनुरूपन एवं सूचना विज्ञान इकाई, कृषि अभियांत्रिकी संभाग, जल प्रौद्योगिकी केंद्र, जैव रसायन संभाग, पादप कर्यिकी संभाग, नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, कृषि प्रसार संभाग, कृषि अर्थशास्त्र संभाग, कृषि प्रोद्योगिकी आकलन एवं स्थानांतरण केंद्र तथा कृषि प्रोद्योगिकी सूचना केंद्र, सूत्र कृमि विज्ञान संभाग एवं प्रक्षेत्र संचालन सेवा इकाई सम्मिलित हैं।

संस्थान द्वारा 3812 छात्रों को एम॰ एस॰ सी॰ एवं 4583 छात्रों को पी॰एच॰डी॰ की उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के पश्चात संस्थान स्व-अध्ययन रिपोर्ट तैयार करेगा जोकि संस्थान मे एवं इंटरनेट पर उपलब्ध होगी।